Seventeenth Loksabha

p>

Title: Regarding the fees increased by Private schools operating on Govt. land of DDA in Delhi.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से की जा रही फीस वसूली की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूं । हम सभी जानते हैं कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र का मजबूत स्तम्भ होता है जिस पर उस देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जाती है । परन्तु वर्तमान परिवेश में शिक्षा की जो स्थिति है उससे हम सभी परिचित हैं । शिक्षा आज स्कूल माफिया और व्यवसायीकरण की भेंट चढ़े हुए हैं । दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों द्वारा बेतहाशा फीस वृद्धि करने से उसमें पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकगण काफी परेशान हैं । दिल्ली में 400 के लगभग वैसे प्राइवेट स्कूल है जो डीडीए द्वारा सस्ते दामों पर दिए गए जमीन पर चल रहे हैं । इसके बावजूद सरकार के दिशा-निर्देश के बाद भी ये स्कूल मनमाने ढंग से फीस बढ़ोतरी कर उसकी वसूली कर रहे हैं और दिल्ली सरकार उस पर नकेल कसने में असमर्थ दिख रही है । प्राइवेट स्कूलों द्वारा उसमें पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों का शोषण किया जा रहा है । उदाहरणस्वरूप, दर्जनों ऐसे स्कूल है जिनके कई सारे ब्रांच दिल्ली में स्थित है ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती रमा देवी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है । अत: आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा अभिभावकों से मनमाने ढंग से की जा रही फीस की वसूली पर रोक-थाम करायी जाए ।